

## न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक--  
न.सू. 1822-III-14  
दि. 19/6/14

/2014/निगरानी नि.सू. 1822-III-14

1. बृम्हानन्द पुत्र श्री रामस्वरूप ब्राम्हण
2. लखनलाल पुत्र श्री रामस्वरूप ब्राम्हण  
निवासीगण-ग्राम जरिया कला परगना  
पोहरी, जिला शिवपुरी (म०प्र०)

-----आवेदकगण

**बनाम**

1. कैलाश नारायण पुत्र छोटू
2. सुशील पत्नी कैलाशनारायण  
निवासीगण-ग्राम जरिया कला  
परगना पोहरी, जिला शिवपुरी  
(म०प्र०)
3. मध्यप्रदेश शासन द्वारा कलेक्टर  
जिला शिवपुरी (म०प्र०)

-----अनावेदकगण

दस्तावेज  
दि. 19/6/14

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

निगरानी प्रकरण क्रमांक 1448/तीन/2014

जिला

न तथा  
क

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं  
अभिभाषकों के  
हरतादार

26.6.14

यह निगरानी तहसीलदार बैराठ जिला शिवपुरी द्वारा प्रकरण क्रमांक 5/13-14/अ-6 अ में पारित आदेश दिनांक 19-3-14 के विरुद्ध ग0प्र0भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत इस न्यायालय में दिनांक 19-6-14 को प्रस्तुत की गई है।

2/ आवेदकगण के अभिभाषक को निगरानी की ग्राह्यता पर सुना गया तथा प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया।

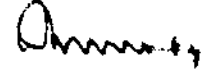
3/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं तहसीलदार के आदेश दिनांक 19-3-14 के अवलोकन पर पाया गया कि यह निगरानी इस न्यायालय में दिनांक 19-6-14 को प्रस्तुत की है जबकि संहिता में किये गये संशोधन क्रमांक 42 सन् 2011 - ग0प्र0राजपत्र (असाधारण) दिनांक 30 दिसम्बर 2011 में प्रकाशित अनुसार इस हेतु केवल 60 दिवस की समयवधि निर्धारित है। इस प्रकार निगरानी 91 दिवस बाद प्रस्तुत की गई है। तहसीलदार के आदेश की प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्ति हेतु आवेदकगण ने दिनांक 21.4.14 को आवेदन दिया है एवं 29-4-14 को प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्त हो गई है। इस प्रकार 91 में से 9 दिवस कम करने पर 82 दिवस विलम्ब से अर्थात् 60 दिवस की निर्धारित समयवधि से 22 दिवस विलम्ब से निगरानी प्रस्तुत की गई है एवं इस विलम्ब को क्षमा किये जाने हेतु अवधि विधान के अंतर्गत आवेदन नहीं दिया गया है एवं न ही शपथ पत्र दिया गया है।

1 ग0प्र0 भू राजस्व संहिता 1959 धारा 47 अनुचित विलम्ब को क्षमा करके एक पक्षकार को लाभ देते हुये द्वितीय पक्षकार को प्रोदभूत मूल्यवान अधिकार को विनष्ट नहीं किया जा सकता।

निगरानी क्रमांक 1448/तीन/2014

2. 1959 भू राजस्व संहिता 1959 धारा 47 - विलम्ब क्षमा किये जाने हेतु परिसीमा अधिनियम के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया प्रत्येक दिन के विलम्ब का स्पष्टीकरण नहीं दिया गया - अनुचित विलम्ब क्षमा नहीं किया जा सकता।

उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी विलम्ब से प्रस्तुत करना पाये जाने एवं विलम्ब क्षमा किये जाने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत नहीं किये जाने के कारण निरस्त की जाती है। पक्षकार तीप करें। अधीनस्थ न्यायालय को आदेश की प्रति भेजकर प्रकरण रिकार्ड रूम में जमा करें।

  
सदस्य